दिनांक 22 अप्रैल 2013 को आयोजित अध्ययन परिषद की बैठक का कार्यवृत्त

बी0 ए0 कर्मकाण्ड द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम का संशोधन

आज दिनांक **22/04/2013** को बी0ए0ज्योतिष द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कुल चार प्रश्न पत्रों के पाठ्यक्रम निर्माण हेतु **प्रो. एच.पी.शुक्ल** कुलपति की संरक्षकता एवं अध्यक्षता तथा विभाग समन्वयक डॉ देवेश कुमार मिश्र की संयोजकता एवं ज्योतिष/कर्मकाण्ड विषय के अध्यापक श्री नन्दन कुमार तिवारी की दो बाह्य विशेषज्ञों की उपस्थिति के साथ बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में संस्तुत तथ्य इस प्रकार हैं –

1. बी0ए0 कर्मकाण्ड द्वितीय वर्ष के दो प्रश्न पत्रों का नाम निर्धारित कर उसके पाठ्यक्रम को इकाईयों में विभाजीत कर संस्तुति प्रदान की गई।
2. बी0ए0 कर्मकाण्ड तृतीय वर्ष के दो प्रश्न पत्रों का नाम निर्धारित कर उसके पाठ्यक्रम को इकाईयों में विभाजीत कर संस्तुति प्रदान की गई। इसका एक प्रश्न पत्र प्रशिक्षण/ कार्यशाला का होगा।
3. उक्त प्रश्न पत्रों के लेखन हेतु बाह्य विशेषज्ञों की सूची संस्तुत की गई।
4. कर्मकाण्ड विषय में प्रश्न – पत्रों के निर्माण हेतु प्राशिनकों की सूची भी संस्तुत की गई।
5. उक्त अध्ययन परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया की स्नातक कक्षा में संचालित पाठ्यक्रम में कोई भी छात्र एक विषय के रूप में कर्मकाण्ड विषय का चुनाव कर सकता हैं जिसके साथ संस्कृत विषय का अध्ययन अनिवार्य होगा इसी आधार पर भविष्य में कर्मकाण्ड परास्नातक (एम.ए.कर्मकाण्ड) पाठ्यक्रम भी संचालित किया जाएगा।
6. प्रस्तुत बैठक में यह भी निर्णीत हुआ की कर्मकाण्ड विषय के इस निर्मित पाठ्यक्रम को कुलपति महोदय से आदेश प्राप्त कर विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर अंकित कर दिया जाए।
7. उक्त पाठ्यक्रम में आवश्यकतानुसार यथासम्भव संशोधन एवं परिवर्द्धन हेतु विभाग समन्वयक को अधिकृत किया गया कि विद्याशाखा के वर्तमान निदेशक की अनुमति प्राप्त कर संबंधित कार्य कर सकते हैं।

22/4/13

22.4.13

22.4.13

22-4-13

Scanned by CamScanner

8. विभाग समन्वयक को अधिकृत किया गया कि इकाई लेखकों एवं प्राश्निकों की संस्तुत सूची में आवश्यकतानुसार नवीन नामों का समायोजन भी कर सकते हैं।

9. बी.ए. कर्मकाण्ड के तृतीय वर्ष के द्वितीय प्रश्न पत्र हेतु सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संस्तुत किया गया जिसमें बाह्य दो विशेषज्ञों को आहूत कर छात्रों को प्रशिक्षित कर उनकी मौखिकी सम्पन्न करायी जायेगी। इसी आधार पर पाठ्यक्रम सम्पूर्ण होगा।

10. प्रमाण पत्र कर्मकाण्ड में निर्धारित 50 अंकों की प्रायोगिक परीक्षा को औचित्यहीन बताते हुए निरस्त होने की संस्तुति प्रदान की गयी।

11. इस अध्ययन परिषद में विचार विमर्श के पश्चात् यह निर्णय लिया गया की उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से बी0ए0 तीनों वर्ष में कर्मकाण्ड विषय का अध्ययन किया हुआ छात्र किसी अन्य विश्वविद्यालय या महाविद्यालय के एम.ए./ आचार्य कर्मकाण्ड के पाठ्यक्रम में प्रवेश पा सकता हैं।

12. स्नातक कक्षा में कर्मकाण्ड विषय को एकल विषय के रूप में संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई।

13. विभाग समन्वयक संस्कृत ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड डॉ. देवेश कुमार मिश्र तथा विभागीय अध्यापक श्री नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हुए अध्ययन परिषद का समापन किया गया।

हस्ताक्षर -

1. प्रो. एच. पी. शुक्ल – निदेशक भाषाविद्या शाखा –

2. डॉ रामराज उपाध्याय – निदेशक, पौरोहित्य प्रशिक्षण विभाग, ला0 ब0शा0 राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय नई दिल्ली

22.4.13

3. डॉ रामनुज उपाध्याय – असि. प्रो., वेद विभाग, ला0 ब0शा0 राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय नई दिल्ली

22-4-13

Scanned by CamScanner

4. डॉ. देवेश कुमार मिश्र – 22.4.13.

5. श्री नन्दन कुमार तिवारी – 22/4/13

Scanned by CamScanner